



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 295] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 26, 1993/भाद्र 4, 1915

No. 295] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 26, 1993 BHADRA 4, 1915

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1993

सा.का.नि. 579 (अ).—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के भारत के राजपत्र असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उप खण्ड (i), दिनांक 13 नवम्बर, 1992 के पृष्ठ 1 और 2 पर प्रकाशित दिनांक 13 नवम्बर, 1992 की सख्या सा का नि. 870-(अ) की अधिसूचना में :—

अधिसूचना के अन्त में निम्नलिखित “पाद टिप्पणी” जोड़ी जाएगी :

“मुख्य अधिसूचना दिनांक 20 जुलाई, 1987 के सा.का.नि. संख्या 666(अ) द्वारा जारी की गई थी”।

[एफ. स. 1 डी एस. डी. 90]

पी. जे. नायक, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 26th August, 1993

G.S.R. 579(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR 870(E) dated 13th November, 1992 published at pages 1 and 2 of the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i) dated 13th November, 1992, —

at the end of the Notification the following 'Footnote' shall be added :  
"Principal notification was issued vide No. GSR 666(E) dated 20th July, 1987".

[F. No. 1/81/SE/90]

P. J. NAYAK, Jt. Secy.